03– तृतीय बी.वाई.एन.एस. परीक्षा

03–01 अष्टांग योग, षड्दर्शन एवं योगाभ्यास

सैद्धान्तिक पत्र 1 (एक) **अंक : 100 अंक** **व्याख्यान – 80**

– पातंजल योग सूत्र परिचय, यम निरूपण, आवश्यकता एंव मनोभिग्रह में उपयोगिता, अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य अपरिग्रह सिद्धान्तों का विवेचन, नियम निरूपण, आवश्यकता एवं मनोदैहिक प्रभाव, शौच, सन्तोष, तप, स्वाध्याय, ईश्वर प्रणिधान का परिचय भेद, क्रियाविधि एवं उपयोगिता, आसन – परिभाषा, आसन के भेद, विधियां, नियमोपनिपम एवं उपयोगिता, प्राणायाम, भेद, विधि, नियमोपनियम एंव प्राणायाम विधियों का मनोदैहिक प्रभाव, प्रत्याहार निरूपण, धारणा ~~– विधियां एवं निरूपण, ध्यान परिभाषा, विधि, भेद, नियम~~, उपयोगिता, समाधि निरूपण, अन्तः बाह्य वृत्तियों के निराधान का क्रमिक स्वरूप, संप्रज्ञात–असंप्रज्ञात विवेचन।

षड् दर्शन परिचय : –

– सांख्य दर्शन का सामान्य परिचय, योग एवं तर्क दर्शन परिचय, न्याय एवं तर्क दर्शन परिचय, वैशेषिक दर्शन परिज्ञान, तर्क दर्शन परिचय, मीमांसा, वेदान्त दर्शन का परिज्ञान

पाठ्यग्रंथ –

– दर्शन कारिकाएं एवं विभिन्न उपयोगी आर्ष ग्रंथों के अंश।

प्रायोगिक परीक्षा **अंक – 100** **कालांश – 80**

– नेति, धोति, बस्ति, त्राटक, नौलि एवं कपाल भांति विधियों का प्रत्यक्ष कर्माभ्यास, बंध मुद्रा का अभ्यास, विभिन्न आसनों का दैनिक अभ्यास।

संदर्भ ग्रन्थ –

1. पांतजल योग सूत्र – सी.सी.आर.वाई.एन. एवं कैवल्यधाम लोनावाला का प्रकाशन।	2. घेरण्ड संहिता – मुंगेर योग केन्द्र प्रकाशन।
3. हठयोग प्रदीपिका – स्वामी आत्माराम जी	4. दर्शन कारिकाएं एवं विभिन्न उपयोगी आर्ष ग्रंथों के अंश।

03–02 प्राकृतिक चिकित्सा निदान

सैद्धांतिक परीक्षा – 2 (दो) **अंक – 100** **कालांश – 90**

ज्ञेयांश –

– प्राकृतिक चिकित्सा में निदान सिद्धान्तों का विवेचन।

– आकृति विज्ञान से रोग निदान।

– विजातिय तत्व ज्ञान – विजातिय तत्वों की परिभाषा, उनके शरीर में एकत्रित होने की प्रक्रिया, विजातिय तत्वों के संचय से होने वाले परिवर्तन तथा विजातिय तत्वों का विकृति विज्ञान परक अध्ययन।

– प्रकृति – प्रकृति का मूल उद्भव एवं बालको की व्याधियों का उपचार।

– व्यसनों से शरीर में विजातिय तत्वों की उत्पत्ति एवं उनका प्रभाव – तम्बाकू, मद्य, चाय, कॉफी, अफीम आदि।

– आंतरिक अवयवों की व्याधियां एवं उनके उपचार।

– विजातिय तत्वों को निष्कासित किये जाने की प्रक्रियाएं।

प्रायोगिक परीक्षा **100 अंक** **कालांश – 40**

– रोग निदान विधियों का चिकित्सालय में प्रत्यक्ष कर्माभ्यास

– 20 आतुरों के परीक्षण की पंजिका संधारण।

– प्राकृतिक चिकित्सा निदान यंत्रोंपकरणों का परिज्ञान

संदर्भ ग्रन्थ –

1. Iridology: A Guide to it is Analysis and Preventive Health Care - By Adam J. Jackson
2. Iridology: How to Discover Your ..... Pattern of Health and well being Through the Eye - By Dorothy Hall
3. Iridology: A Complete Guide to Diagnosing through the Iris and alll Related Norms of treatment -

03–03 प्राथमिक चिकित्सा एवं आधुनिक निदान विधियाँ

सैद्धांतिक परीक्षा – 1 (एक) **अंक – 100** **कालांश – 90**

ज्ञेयांश –

– प्राथमिक चिकित्सा के सामान्य एवं विशेष सिद्धान्त।	– व्रण, रक्तस्राव रोकने के उपाय।
– मूर्च्छा, सन्यास के भेद एवं उपाय।	– श्वान दंश, सर्प दंश, वृश्चिक दंश के उपाय।
– दग्ध चिकित्सा।	– अंशुघात उपाय।
– भग्न एवं उनके उपाय।	
– विषाक्तता परिज्ञान एवं प्राथमिक उपचार।	– उन्माद एवं अपस्मार।
– कृत्रिम श्वसन विधियाँ।	– विकृति विज्ञानीयम्।
– रोगेतिवृत निर्धारण विधि।	– सांस्थानिक परीक्षण – उदर परीक्षण, स्वसन संस्थान परीक्षण, हृद् परीक्षा, केन्द्रीय नाड़ी संस्थान परीक्षण, जत्रूर्ध्व परीक्षण, स्त्री शारीर परीक्षण परिज्ञान।
– प्रारम्भिक निदान।	– प्रयोगशालीय परीक्षण का परिज्ञान।
– आधुनिक परीक्षण विधियों का परिचय।	– रक्त, मल, मूत्र, ष्ठीवनादि परीक्षाओं का ज्ञान।

प्रायोगिक परीक्षा **100 अंक** **कालांश – 40**

– रोगेतिवृतिय एवं रोंगी परीक्षा विधियों का प्रत्यक्ष कर्माभ्यास, 20 आतुरों का रोगेतिवृत संधारण, विभिन्न प्रयोशालीय उपकरणों का प्रत्यक्ष ज्ञान, रोगी रोग परीक्षा के प्रयोगशालीय परीक्षणों का ज्ञान।

संदर्भ ग्रन्थ –

– रोगी रोग परीक्षा विधि – प्रियव्रत शर्मा, Hutchinson's clinical methods, Clinical Diagnosis : - By Jal Vakil, First Aid : - By Red Cross Society

03–04 मेनिपूलेटिव थैरापैटिक्स

सैद्धांतिक परीक्षा – 1 (एक) **अंक – 100** **कालांश – 90**

ज्ञेयांश –

– अभ्यंग उपचार विधि का इतिहास एवं परिचय।
– अभ्यंग विधियों के नियम एवं परिचय।
– अभ्यंग उपचार विधि के परीप्रेक्ष्य में विभिन्न शरीरावयों का अध्ययन – त्वचा, पेशियां, हृदय एवं रक्त संवहन, तंत्रिका तंत्र, अस्थि तंत्र।
– अभ्यंग में स्नेहों का प्रयोग एवं समुचित पीड़न (दाब) का महत्व।
– अभ्यंग के विभिन्न प्रभाव – पोषण, रक्त संचरण, रक्त प्रसाधन, शोथशमन, मेदापनयन प्रभाव परिज्ञान।
– मर्म पीड़न विधियों का परिज्ञान।
– संधियों की विभिन्न क्रियाओं – आकुंचन, प्रसारणादि कर्मों का परिज्ञान।
– अभ्यंग का विभिन्न स्थानों पर प्रभाव – यकृत, आमाशय, हृदय, मस्तक, सुषुम्ना, स्थान पर अभ्यंग की विशेष विधियां।
– चीरो प्रेक्टिस एवं ओस्टियोपैथी का परिचय, विधि एवं प्रभाव का अध्ययन।

प्रायोगिक परीक्षा **100 अंक** **कालांश – 40**

– 20 आतुरों पर अभ्यंग विधियों का प्रत्यक्ष प्रायोगिक अभ्यास, 10 आतुरों पर पंचकर्म उपक्रमों का प्रत्यक्षीकरण।

संदर्भ ग्रन्थ –

– Massage Books: By George Downing, Massage: By Constant Young, The Complete Book of Massage: By Clare Maxwell Hudson

03–04 मर्मवेधन (एक्यूपंचर विधियाँ)

सैद्धांतिक परीक्षा – 1 (एक) अंक – 100 कालांश – 90

ज्ञेयांश –

– मर्मपीड़न चिकित्सा (एक्यूप्रेशर) परिचय, सिद्धान्त एवं उपयोगिता।	– परपरागत एवं आधुनिक मर्मपीड़न सिद्धान्त।
– मर्म स्थलों के निर्धारण की तकनीक।	– मर्मपीड़न के दुष्प्रभाव।
– विभिन्न मेरेडियंश का ज्ञान।	– अत्यन्त संवेदनशील बिन्दुओं का ज्ञान।
– मर्म चिकित्सा निदान विधियों का ज्ञान।	– मर्म वेधन द्वारा संज्ञाहरण।
– प्रत्यावर्तन पद्धति का परिज्ञान।	– मर्मपीड़न विज्ञान का महत्व।

प्रायोगिक परीक्षा 100 अंक कालांश – 40

– 20 आतुरों पर मर्म वेधन, प्रत्यावर्तन एवं मर्मपीड़न पद्धति का प्रत्यक्ष परीक्षण।

संदर्भ ग्रन्थ –

– Clinical Practice of Acupuncture by A.L. Agarwal
– Clinical Acupuncture by Dr. Anton Jayasurya
– Principles and practice of Acupuncture by Dr. J.K. Patel
– Health in your hands by Devendra Vora
– Shiatsu by Ohashi